Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -1

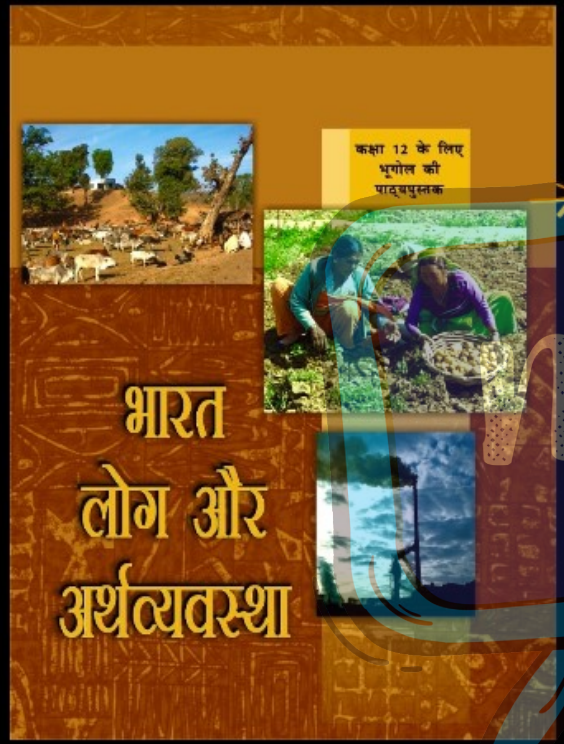
जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ×
C-3 : मानव विकास ×
C-8 : निर्माण उद्योग ×

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- "$\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$" क्या जवाब देता है ?

(a) जनसंख्या घनत्व

(b) कार्यिक घनत्व

(c) कृषीय घनत्व

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

जनसंख्या घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q :- "कुल जनसंख्या" "निवल कृषित क्षेत्र" क्या जवाब देता है ?

(a) जनसंख्या घनत्व

(b) कार्थिक घनत्व

(c) कृषीय घनत्व

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुल जनसंख्या

नि. कृ. क्षे.

= कार्यिक घनत्व



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Q :- "कुल कृषि जनसंख्या / निवल कृषित क्षेत्र" क्या जवाब देता है ?

(a) जनसंख्या घनत्व = जै. घ.

(b) कार्थिक घनत्व = जै. घ. / नि. कृ. क्षे.

(c) कृषीय घनत्व = कृषि जै. घ. / नि. कृ. क्षे.

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

प्र :- जनसंख्या की "प्राकृतिक वृद्धि" है :-

प्राकृतिक वृद्धि

(a) जन्म + मृत्यु

(b) जन्म - मृत्यु + जन्म - मृत्यु

(c) जन्म + मृत्यु + आप्रवास + उत्प्रवास

(d) जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- जनसंख्या की "वास्तविक वृद्धि" है :-

(a) जन्म + मृत्यु

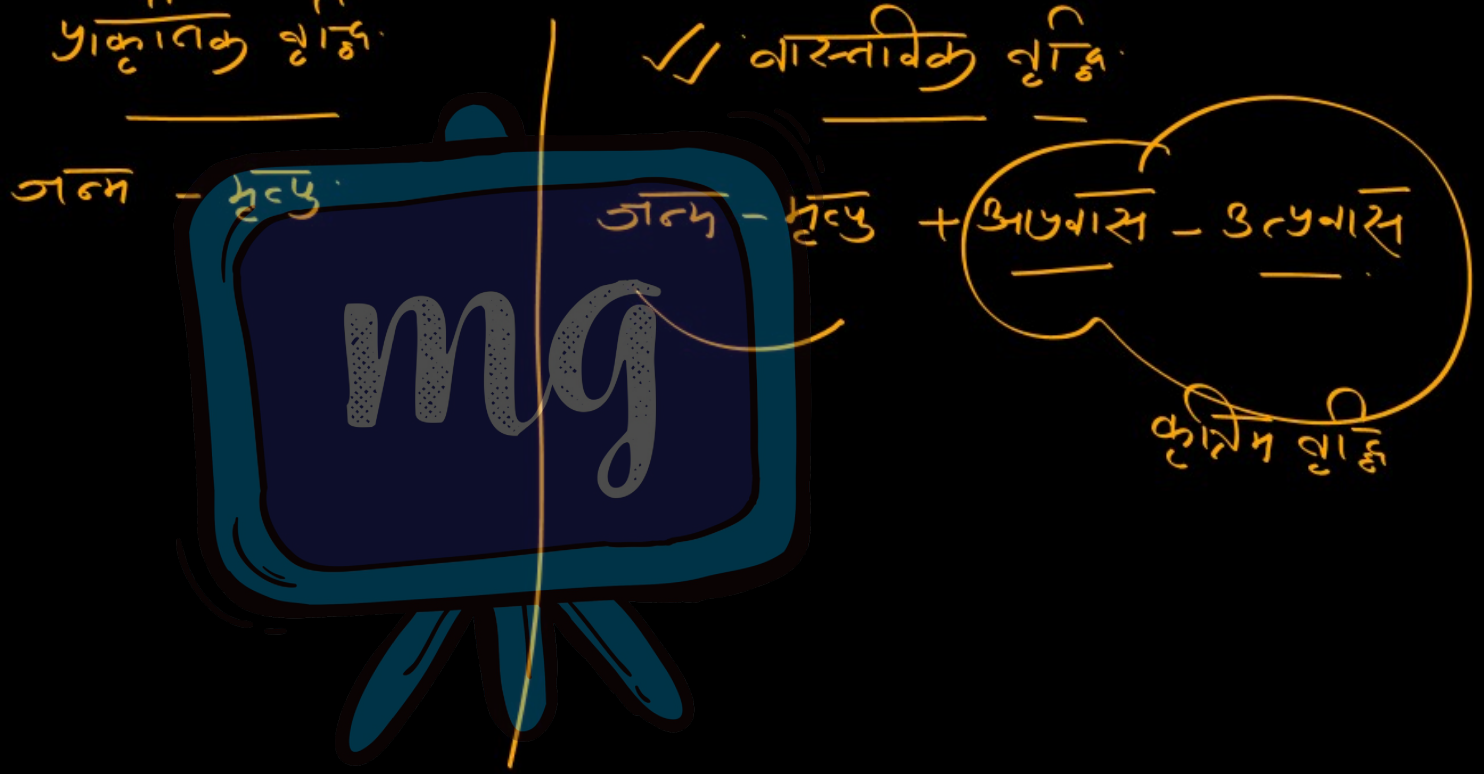
(b) जन्म - मृत्यु

(c) जन्म + मृत्यु + आप्रवास + उत्प्रवास

(d) जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

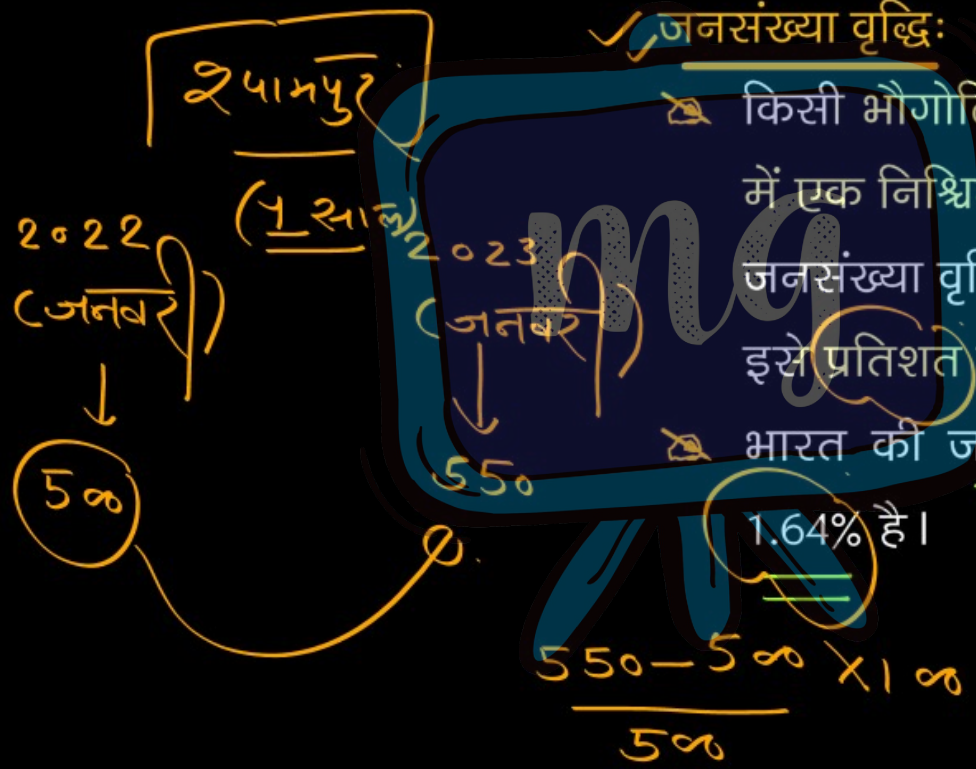
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- जनसंख्या का अर्थ
- जनसंख्या वितरण
- जनसंख्या घनत्व
- जनसंख्या वृद्धि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जनसंख्या वृद्धिः

- किसी भौगोलिक क्षेत्र की जनसंख्या के आकार में एक निश्चित समय में होने वाले परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहा जाता है।
  इसे प्रतिशत में व्यक्त करते हैं।
- भारत की जनसंख्या वार्षिक वृद्धिदर (2011) 1.64% है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

1911-1921

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि दर*	
		निरपेक्ष संख्या	वृद्धि का %
1901	238396327	----------	----------
1911	252093390	(+) 13697063	(+) 5.75
1921	251321213	(-) 772117	(-) 0.31
1931	278977238	(+) 27656025	(+) 11.60
1941	318660580	(+) 39683342	(+) 14.22
1951	361088090	(+) 42420485	(+) 13.31
1961	439234771	(+) 77682873	(+) 21.51
1971	548159652	(+) 108924881	(+) 24.80
1981	683329097	(+) 135169445	(+) 24.66
1991	846302688	(+) 162973591	(+) 23.85
2001	1028610328	(+) 182307640	(+) 21.54
2011**	1210193422	(+) 181583094	(+) 17.64

* दशकीय वृद्धि दर: $g = \frac{P_2 - P_1}{P_1} \times 100$

जहाँ P_1 = आधार वर्ष की जनसंख्या, P_2 = वर्तमान वर्ष की जनसंख्या

** स्रोत: भारत की जनगणना, 2011 (अंतरिम)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की जनसंख्या वृद्धि को चार भागों में बाँटा जा सकता है

प्रावस्था

क 1. रुद्ध प्रावस्था का काल (1901–1921)

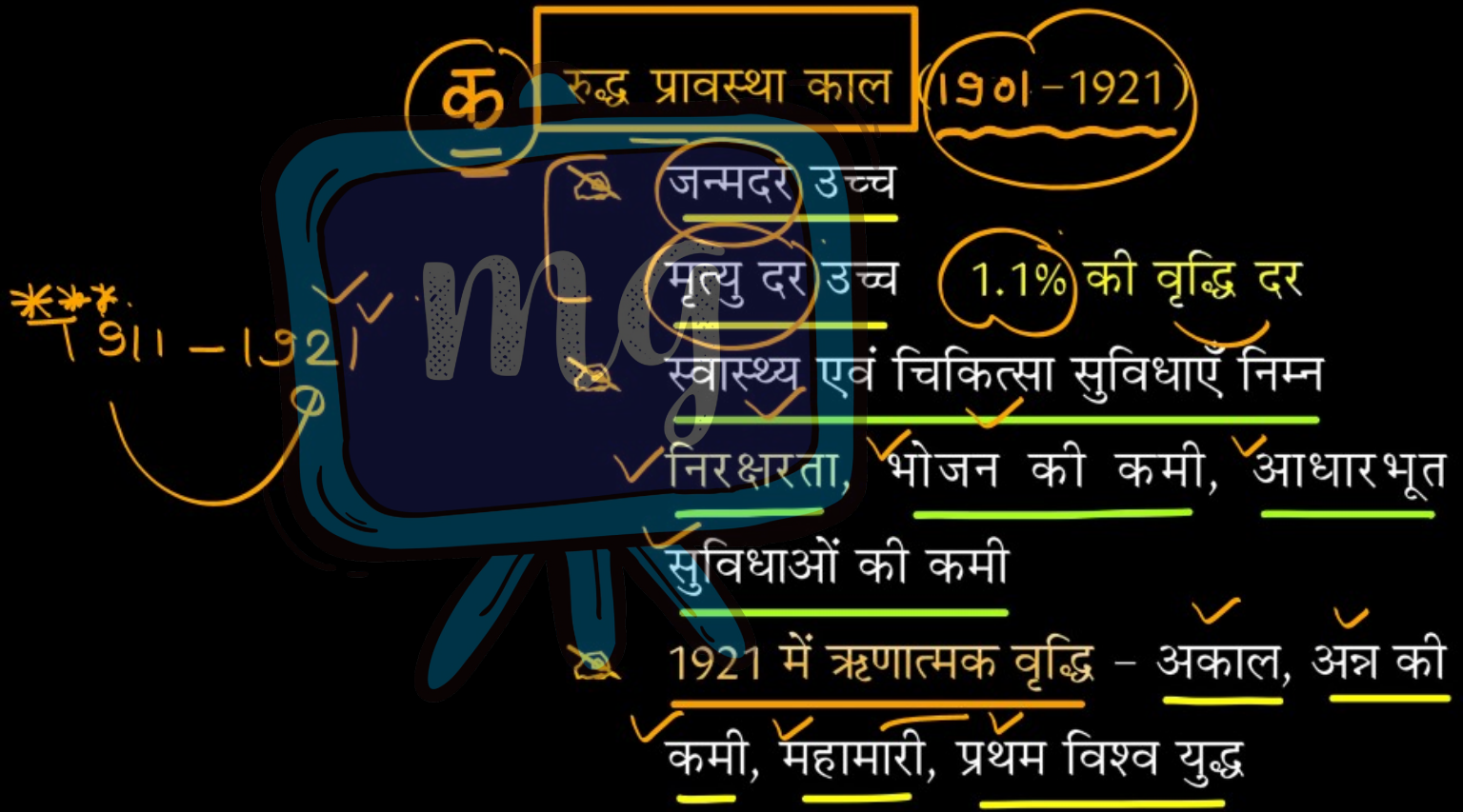
ख 2. स्थिर प्रावस्था का काल (1921–1951)

ग 3. विस्फोट की अवधि का काल (1951–1981)

घ 4. घटते प्रजनन दर का काल (1981 से वर्तमान)

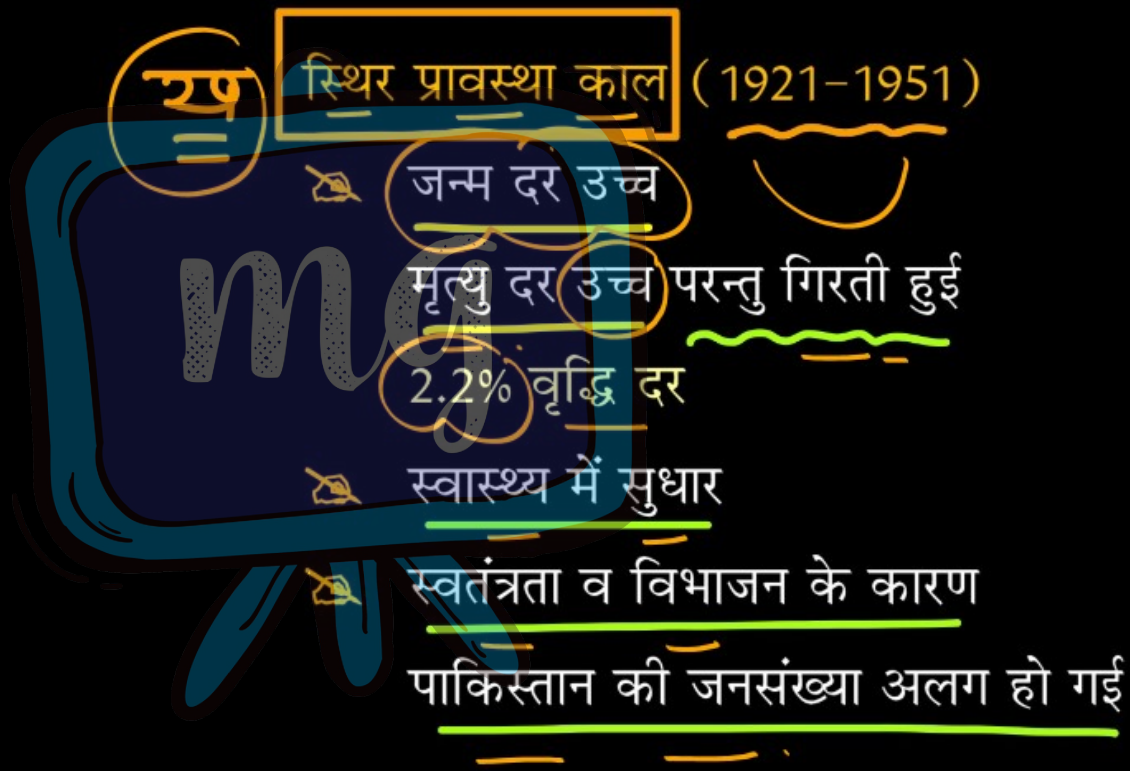
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ग विस्फोट की अवधि काल (1951–1981) 30

- जन्म दर उच्च
- मृत्यु दर में भारी गिरावट
- 2.5% की वृद्धि दर
- तिब्बत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल से आप्रवास
- चहुँमुखी विकास, जीवन दशाओं में सुधार, हरितक्रांति का आगाज, चिकित्सीय सुविधाओं का फैलाव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

घ घटते प्रजनन दर का काल (1981 से वर्तमान)

- जन्म दर घटती हुई
- मृत्यु दर में भारी गिरावट
- 2% से कम वृद्धि दर
- 2011 में 1.7%
- विकास, खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर, पोषण आवश्यकताओं की पूर्ति
- आर्थिक सुधारों का असर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

किशोर → 52.7 %

किशोरियाँ → 47.3 %

किशोर जनसंख्या, यद्यपि उच्च संभावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या समझी जाती है, यदि उन्हें समुचित ढंग से मार्गदर्शित और दिशा निर्देशित न किया जाए तो वे काफ़ी सुभेद्य (Vulnerable) भी होते हैं।

किशोर जनसंख्या

121 →

- 10 से 19 वर्ष तक के व्यक्ति लगभग 21% (2011)

किशोर जनसंख्या की चुनौतियाँ

- निरक्षरता, विवाह की आयु, स्कूल ड्रॉपआउट स्त्री शिक्षा, पोषक तत्वों का अभाव, शारीरिक व मानसिक अपंगता, ड्रग सेवन आदि
- राष्ट्रीय युवा नीति (2014)
- कौशल विकास एवं उद्यमिता के लिए नीति (2015)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय युवा नीति (2014)

राष्ट्रीय युवा नीति (NYP–2014) फ़रवरी 2014 में आरंभ की गई है जो भारत के युवाओं के लिए एक समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है। "देश के युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है।" राष्ट्रीय युवा नीति 2014; 15–29 वर्ष के आयु समूह के व्यक्ति को 'युवा' के रूप में परिभाषित करती है।

10-19.

** 15-29 → युवा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कौशल विकास एवं उद्यमिता के लिए नीति (2015)

भारत सरकार ने 2015 में कौशल विकास तथा उद्यमिता के लिए नीति बनाई है, जिसका उद्देश्य देश भर में हो रही कौशल से संबंधित गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना है, साथ ही साथ इन सभी गतिविधियों को एक मानक के साथ बाँधना तथा विभिन्न कौशलों को इनके भाग-केंद्रों के साथ जोड़ना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या संघटन (Population Composition)

- आयु-लिंग का विश्लेषण
- निवास का स्थान
- नृजातीय लक्षण
- जनजातियां
- भाषा
- धर्म
- विवाहित स्थिति
- साक्षरता
- व्यावसायिक विशेषता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण जनसंख्या का वितरण समान नहीं है।

बिहार और सिक्किम जैसे राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत बहुत अधिक है। गोआ और महाराष्ट्र राज्यों की कुल जनसंख्या का आधे से कुछ अधिक भाग गाँवों में बसता है।

दूसरी ओर दादरा और नगर हवेली (53.38 प्रतिशत) को छोड़कर केंद्र-शासित प्रदेशों का लघु अनुपात ही ग्रामीण जनसंख्या का है। गाँवों का आकार भी काफ़ी हद तक भिन्न है। उत्तर-पूर्वी भारत के पहाड़ी राज्यों, पश्चिमी राजस्थान और कच्छ के रन में यह 200 व्यक्तियों से कम और केरल व महाराष्ट्र के कुछ भागों में यह 17,000 व्यक्ति तक पाया जाता है।

ग्रामीण-नगरीय संघटन

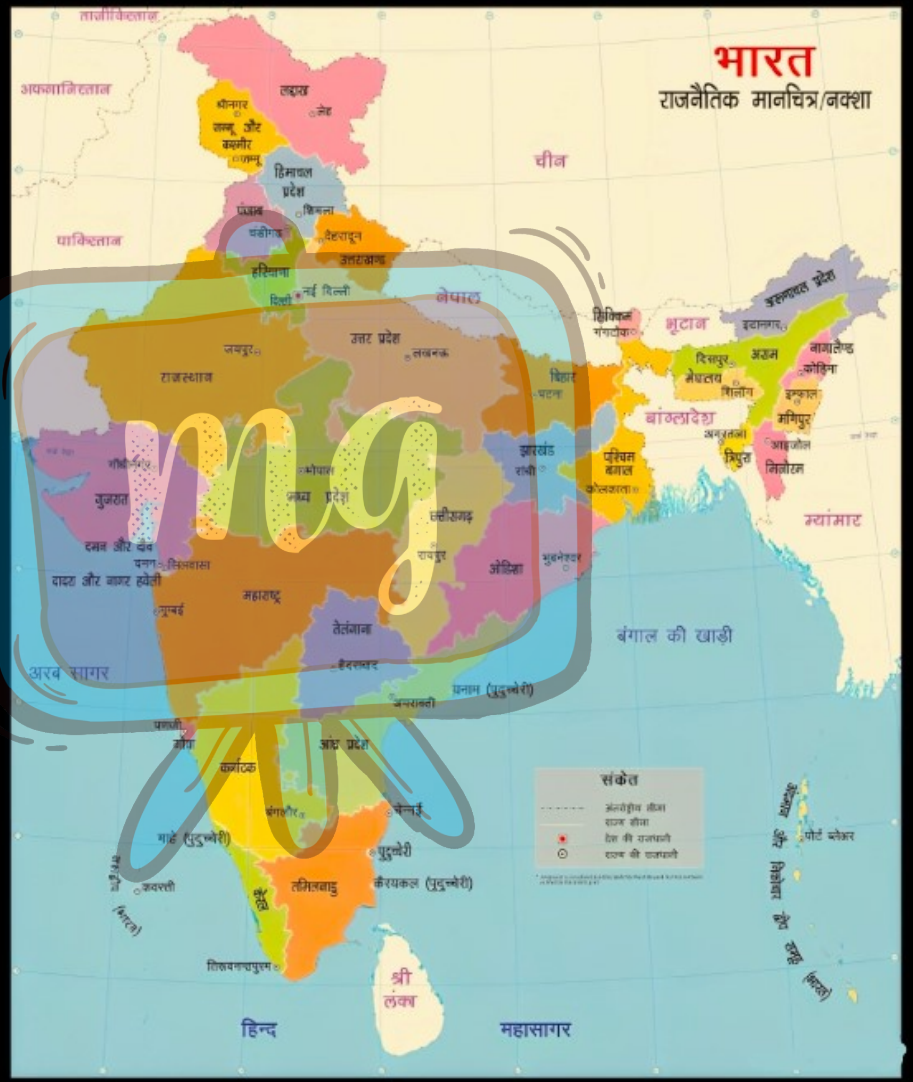
- देश की कुल जनसंख्या का 68.8% भाग गांवों में निवास करता है। 31.16% नगरीय जनसंख्या है। (2011)
- नगरीय जनसंख्या में वृद्धि का कारण आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, अन्य मानवीय दशाओं में सुधार आदि है।



ग्रामीण-नगरीय संघटन 2011

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भाषाई संघटन

भारत एक भाषाई विविधता की भूमि है। ग्रियर्सन के अनुसार (भारत का भाषाई सर्वेक्षण, 1903-1928) देश में 179 भाषाएँ और 544 के लगभग बोलियाँ थीं। आधुनिक भारत के संदर्भ में 22 भाषाएँ अनुसूचित हैं और अनेक भाषाएँ गैर-अनुसूचित हैं।

अनसचित भाषाओं में हिंदी बोलने वालों का प्रतिशत सर्वाधिक है। लघुतम भाषा वर्ग संस्कृत, बोडो तथा मणिपुरी बोलने वालों के हैं (2011)। यह देखा गया है कि देश में भाषाई प्रदेशों की सीमाएँ सुनिश्चित और स्पष्ट नहीं हैं बल्कि उनका अपने-अपने सीमांत प्रदेशों में क्रमिक विलय और अध्यारोपण (वअमत संच)हो जाता है।

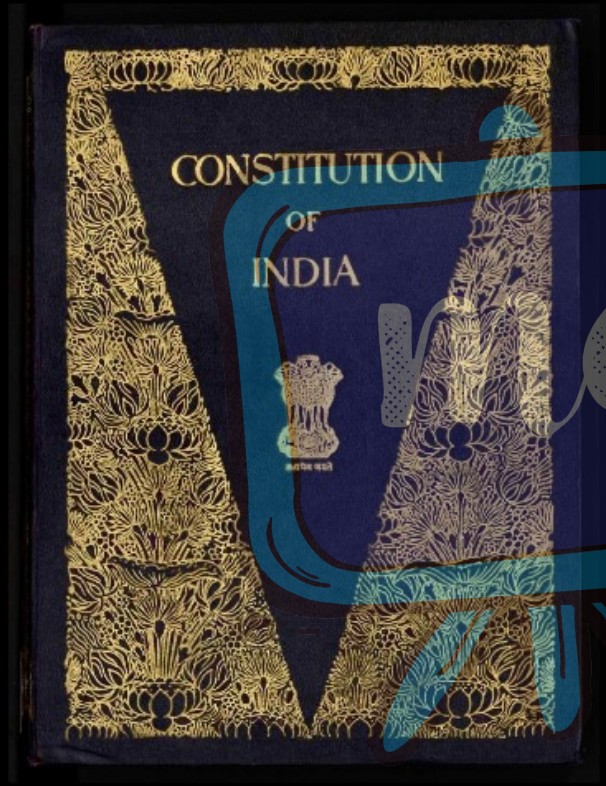
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भाग → 25

अनुसूचियां → 12

अनुच्छेद → 448

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत : भाषाएँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तालिका 1.3 : भारत के धार्मिक समुदाय - 2011

धार्मिक समुदाय	2011	
	जनसंख्या (मिलियन में)	कुल प्रतिशत
हिंदू	966.3	79.8
मुस्लिम	172.2	14.2
ईसाई	27.8	2.3
सिक्ख	20.8	1.7
बौद्ध	8.4	0.7
जैन	4.5	0.4
अन्य धर्म	7.9	0.7
धर्म ज्ञात नहीं	2.9	0.2

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत-बांग्लादेश सीमा व भारत-पाक सीमा से संलग्न ज़िलों, जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व के पर्वतीय राज्यों और दक्कन पठार व गंगा के मैदान के प्रकीर्ण क्षेत्रों को छोड़कर

हिंदू अनेक राज्यों में एक प्रमुख समूह के रूप में वितरित हैं (70 से 90 प्रतिशत तक और उससे अधिक)।

विशालतम धार्मिक अल्पसंख्यक मुस्लिम जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और केरल के कुछ ज़िलों, उत्तर प्रदेश के अनेक ज़िलों, दिल्ली में व उसके आस पास और लक्षद्वीप में सांद्रित हैं।

ईसाई जनसंख्या अधिकांशतः देश के ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित हैं। मुख्य सांद्रण पश्चिमी तट के साथ गोआ एवं केरल और मेघालय, मिजोरम और नागालैंड के पहाड़ी राज्यों, छोटानागपुर क्षेत्र और मणिपुर की पहाड़ियों में भी देखा जाता है।

अधिकांश सिक्ख देश के अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में संकेंद्रित हैं।

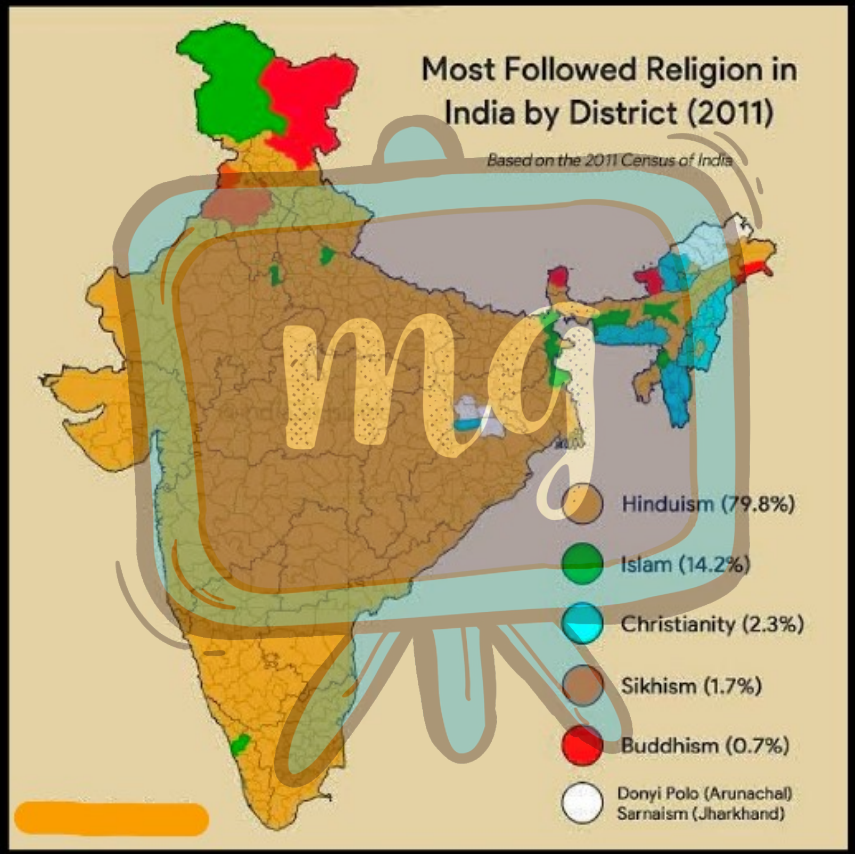
भारत के सबसे छोटे धार्मिक समूह जैन और बौद्ध देश के गिने-चुने क्षेत्रों में संकेंद्रित हैं। जैनियों का प्रमुख संकेंद्रण राजस्थान के नगरीय क्षेत्रों, गुजरात और महाराष्ट्र में है जबकि बौद्ध अधिकांशतः महाराष्ट्र में संकेंद्रित हैं। बौद्ध बाहुल्य अन्य क्षेत्र सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में लद्दाख, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश में लाहुल और स्पिति हैं।

भारत के अन्य धर्मों में जरतुश्त, जनजातीय एवं अन्य देशज निष्ठाएँ और विश्वास सम्मिलित हैं। ये समूह छोटे समूहों में संकेंद्रित हैं और देश-भर में बिखरे हुए हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

धार्मिक संघटन



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER